Naidunia (Indore), 13th August 2024, Front Page – plus 01

आइआइटी मद्रास छठे साल शीर्ष पर

सफलता ● एनआइएफआर रैंकिंग जारी, ओवरआल कैटेगरी में आइआइएससी बेंगलुरु दूसरे स्थान पर रहा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली : देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आइआइटी मद्रास ने लगातार छठे साल ओवरआल कैटेगरी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) बेंगलुरु ने भी अपना प्रदर्शन उम्दा रखते हुए इस कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरा स्थान आइआइटी बांबे और चौथे स्थान आइआइटी दिल्ली ने पाया। आइआइटी दिल्ली इस बार एक पायदान खिसका, पिछली बार उसका रैंक तीसरा था। पांचवें नबंर पर आइआइटी कानपुर रहा।

उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी के टाप-10 में सात आइआइटी हैं। आइआइटी के अलावा तीन अन्य संस्थान आइआइएसी बेंगलुरु, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) हैं। आइआइटी मद्रास ने इंजीनियरिंग कैटेगरी में लगातार नौवें साल शीर्ष स्थान पाया। सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय की बात करें तो आइआइएससी बेंगलुरु इस कैटेगरी में लगातार नौवें साल नंबर-वन रहा।

उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए शुरू की गई नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के नौवें संस्करण को शिक्षा मंत्रालय ने जारी किया। देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों की 16 कैटेगरी में रैंकिंग जारी की गई है। इस बार तीन नई कैटेगरी भी शामिल की गई हैं, जिसमें ओपन यूनिवर्सिटी, स्किल यूनिवर्सिटी और स्टेट यूनिवर्सिटी कैटेगरी हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी में छठवें स्थान पर आइआइटी खड़गपुर, सातवें स्थान पर एम्स दिल्ली, आठवें स्थान पर आइआइटी रुड़की, नौवें स्थान पर आइआइटी गुवाहाटी व दसवें स्थान पर जेएनयू दिल्ली रहे। सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय की श्रेणी में आइआइएससी बेंगलुरू के बाद जेएनयू ने दूसरा स्थान हासिल किया है। तीसरे स्थान पर जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली, चौथे पर मनिपाल हायर एजुकेशन मनीपाल, पांचवें पर बीएचयू वाराणसी, छठे पर दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। इस बार उच्च शिक्षण संस्थानों की इंडिया रैंकिंग के लिए कुल 6,517 संस्थानों ने 10 हजार से अधिक आवेदन किए थे। वैसे देश में मौजूदा समय में कुल 58 हजार उच्च शिक्षण संस्थान हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों की यह रैंकिंग उनके प्रदर्शन यानी छात्रों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, कोर्सों का संचालन, इनोवेशन, शोध पत्रों के प्रकाशन जैसे करीब सौ मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रैंकिंग जारी करते हुए कहा कि देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अब रैंकिंग फ्रेमवर्क में आना ही होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संस्थानों को दुनिया के मुकाबले खड़ा होने के लिए यह आवश्यक भी है। उन्होंने रैंकिंग जारी करने में हुई देरी का भी जिक्र किया। अमूमन यह रैंकिंग उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश शुरू होने से पहले जून में ही जारी कर दी जाती थी। ज्यादातर संस्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है या फिर होने वाली है।

- आइआइटी दिल्ली एक स्थान खिसक चौथे नंबर पर पहुंचा, एम्स दिल्ली सातवें व जेएनयू दसवें पायदान पर
- उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी के टाप-10 में सात आइआइटी
- इंजीनियरिंग कैटेगरी में आइआइटी मद्रास व विश्वविद्यालय में आइआइएससी लगातार नौवें साल टाप पर
- एम्स दिल्ली सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कालेज, दिल्ली का हिंदू कालेज सर्वश्रेष्ठ कालेज तो मिरांडा हाउस दूसरे पर

नई दिल्ली में उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल रैंकिंग जारी किए जाने के अवसर पर प्रमाणपत्र वितरित करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार। प्रेट्र

प्रमुख श्रेणियों के शीर्ष संस्थान

इंजीनियरिंग कैटेगरी	मैनेजमेंट कैटेगरी	इनोवेशन कैटेगरी
1. आइआइटी मद्रास	1. आइआइएम अहमदाबाद	1. आइआइटी बांबे
2. आइआइटी दिल्ली	2. आइआइएम बेंगलुरु	2. आइआइटी मद्रास
3. आइआइटी बांबे	3. आइआइएम कोझीकोड	3. आइआइटी हैदराबाद
4. आइआइटी कानपुर	4. आइआइटी दिल्ली	4. आइआइएससी बेंगलुरु
5. आइआइटी खड़गपुर	5. आइआइएम कलकत्ता	5. आइआइटी कानपुर

आइआइएम इंदौर आठवें, आइआइटी 16वें स्थान पर

इंदौर : एनआइआरएफ रैंकिंग में इंदौर के तीन शैक्षणिक संस्थानों ने जगह बनाई है। ओवरआल संस्थानों की सूची में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने 57.31 अंक प्राप्त कर 33वीं रैंक हासिल की है। आइआइटी इंदौर का इंजीनियरिंग संस्थानों में 16वां और शोध संस्थानों में 27वां स्थान रहा है। वहीं प्रबंधन संस्थानों में आइआइएम ने 73.53 अंक प्राप्त कर आठवीं रैंक है। राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय की सूची में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी स्थान हासिल किया है। विश्वविद्यालय को 50वीं रैंक (48.35 अंक) मिली है। जबकि देशभर के विश्वविद्यालयों में 101-150 ब्लाक में डीएवीवी को स्थान मिला है।

>> पेज तीन भी पढ़ें